



अन्तर्वासना का तोहफा- फिर से मिली कुंवारी चूत-1

“मेरी अन्तर्वासना कहानी पढ़ कर मेरी दोस्त बनी
एक लड़कीको मैंने भाई की शादी में बुलाया, वो आ
गई। कहानी पढ़ें कि मेरे भाई और मेरी सुहागरात एक
ही रात में कैसे मनी। ...”

Story By: दीपक मलिक (aardeep)

Posted: Friday, August 26th, 2016

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [अन्तर्वासना का तोहफा- फिर से मिली कुंवारी चूत-1](#)

अन्तर्वासना का तोहफा- फिर से मिली कुंवारी चूत-1

हेलो दोस्तो, कैसे हो आप सब !

मैं दीपक, सोनीपत, हरियाणा से आपके लिए एक नई कहानी लेकर हाजिर हूँ।

मेरी पिछली कहानी को आप सबने बहुत प्यार दिया, पर कुछ लोगों ने इसे झूठ बताया। उन सब दोस्तों को मैं बता देना चाहता हूँ कि मैंने सिर्फ सच्चाई लिखी है, जो मेरे साथ बीती है, कोई झूठी कहानी नहीं।

आप लोगो ने अब तक पढ़ा कि कैसे मैंने परी को चोदा और उसने मुझसे भाभी की चूत फड़वाई और मैंने भाभी को माँ बनाया।

मेरी पहली कहानी

जन्मदिन के तोहफे में मिली कुंवारी चूत

को पढ़कर मेरे पास बहुत सी ईमेल आईं जिनमें लोगों ने मेरी कहानी को सराहा और मुझे आगे लिखने के लिए कहा।

पर उन सब ईमेल में एक मेल आई थी पायल की, उसने मेरी कहानी की प्रशंसा की।

जिसके जवाब में मैंने उसको शुक्रिया अदा किया और उससे उसका बायो-डाटा पूछा।

उसने अपना नाम पायल बताया, वो जयपुर में रहती है।

मैंने उसको दोस्ती करने के लिए पूछा, तो उसने कहा कि थोड़ा वक्त बात करते हैं, उसके बाद सोचकर बताऊँगी कि दोस्ती हो सकती है या नहीं।

उसके बाद ऐसे ही ईमेल में हम दोनों की बातें होने लगी और कुछ टाइम बाद उसने मेरी दोस्ती स्वीकार कर ली।

मेरे पूछने पर उसने बताया कि वो आर्ट्स स्ट्रीम से हॉस्टल में रह कर ग्रेजुएशन कर रही है।

यह सुनकर तो मेरा दिल खुशी से उछलने लगा कि शायद एक और मस्त चूत चोदने को मिल सकती है और क्या पता मेरे इस जन्मदिन पर भी एक कुंवारी चूत का उदघाटन करने को मिल जाए!

यही सोचकर मैं उससे बात करने लगा।

लेकिन मैंने उसको अपने बारे कुछ गलत नहीं बताया, सिर्फ सच्चाई बताई।

फिर बातों- बातों में उसने बताया कि उसका कोई बॉयफ्रेंड नहीं है और वो आज तक कुंवारी है।

यह सुनकर तो मेरे दिल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और मेरा लण्ड पैंट में तन गया और बाहर आने के लिए छटपटाने लगा।

बस उसकी कुंवारी चूत को ख्यालों में लाकर अपने लण्ड को हिलाने लगा और उसको शांत किया।

उसको पटाने के लिए मैं उससे बातें करने लगा, लेकिन जैसे जैसे बातें आगे बढ़ती गई, मैंने जाना कि यह लड़की बहुत शरीफ है और इसके साथ झूठ बोलकर दोस्ती करना अच्छा नहीं है।

तो मैंने उसको बताया कि मैं सिर्फ सेक्स करने के लिए उससे बातें कर रहा हूँ, मैं सिर्फ तेरी कुंवारी चूत को भोगना चाहता हूँ।

यह बात जानकर उसने कहा कि मैंने उसको सब सच बताया इसलिए वो मुझसे गुस्सा नहीं है पर अगर बाद में पता चलता तो मुझसे बात करना बंद कर देती।

उसके सच्चे दिल की बातें सुनकर मुझे अच्छा लगा, मेरे दिल में अपनी एक खास जगह बना ली और मैं उसको देखे बिन उसको पसंद करने लगा ।

धीरे धीरे बातों का सिलसिला आगे बढ़ा और एक दिन मैंने उससे उसका नंबर माँगा तो उसने मना कर दिया ।

फेसबुक पर बात करने को कहा तो कहने लगी कि वो फेसबुक पर नहीं है ।

मैं जब भी नंबर मांगता या उसको देखने के लिए एक फोटो मांगता तो बस एक जवाब मिलता कि उसको डर लगता है कि कहीं मैं उसके फोटो का कोई मिसयूज न कर लूं ।

फिर मैंने भी उस पर ज्यादा दबाव ना दिया फोटो भेजने के लिए, बस ऐसे ही नार्मल बातें करके अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाता रहा ।

मैं उससे कई बार मिलने के लिए कहता, पर इतनी दूर होने के कारण मिलना नहीं हो पा रहा था ।

फिर एक दिन मैंने उसको बताया कि मेरे भाई की शादी है ।

तो वो कहने लगी- मुझे नहीं बुलाओगे क्या शादी में ?

तो मैंने उससे उसका अड्रेस पूछा और उसको शादी का कार्ड कूरियर कर दिया । उसने आने का रास्ता पूछा तो मैंने उसकी टिकट कन्फर्म करके उसको मेल कर दी और फ़ोन करके उसको सब कुछ समझा दिया ।

निर्धारित दिन वो निकल पड़ी मेरे भाई की शादी में आने के लिए... मैं उसको स्टेशन रिसीव करने के लिए गया और वहाँ उसका इंतज़ार करने लगा ।

दिमाग में बस यही बात घूम रही थी कि वो देखने में कैसी होगी ? मैं उसको पहचानूँगा कैसे ?

बस बैठा यही सोच रहा था कि एक सुंदर सी हसीं लड़की मेरे पास आई, जिसकी हाइट

करीब 5 फुट 3 इंच होगी और जिंस टॉप में क्या कमाल लग रही थी, गुलाबी होंठ, सुन्दर नशीली आँखें, जो देखे, उनमें डूब जाए... एकदम मस्त फिगर... कुल मिलाकर किसी अप्सरा से कम नहीं थी।

दिल किया कि यही एक टाइट हग कर लूं और इसके गुलाबी होंठों को चूस चूस कर लाल कर दूँ।

पर पब्लिक पैलेस को ध्यान में रखकर मैंने उससे हाथ मिलाया। मैंने पूछा की मुझे पहचाना कैसे तो बोली- मेरी gmail की प्रोफाइल पिक देखी थी, बस उसी से पहचान लिया।

मैंने उसको गाड़ी में बिठाया और घर ले आया, अपनी फैमिली से मिलवाकर मैंने उसको सिस्टर के रूम में ठहरा दिया।

उसको आराम करने की कहकर मैं अपना शादी के काम करने में बिजी हो गया।

मैं घर के बाहर फूल मालाएं लगाने में बिजी था और वो मुझे छत से देखकर मुस्कुरा रही थी।

गर्मी होने के कारण मैं पसीने में भीगा हुआ था कि अचानक वो मेरे पास आई।

मैंने देखा तो उसके हाथ में पानी का गिलास था, उसने पानी पीने के लिए कहा।

मैंने कहा कि उसने क्यों तकलीफ की, तो बोली- दोस्त हूँ और दोस्ती में तकलीफ कैसी ?

मैं पानी पीने लगा और वो अंदर चली गई।

कुछ देर बाद मैं अंदर गया तो देखा वो मेरी बहन के साथ काम करवा रही थी। मैंने उसको देखकर स्माइल पास की और अपने कमरे में चला गया।

कुछ देर बाद वो मुझे बुलाने के बहाने अंदर आई।

मैं बिस्तर पर लेट गया था और नींद आ गई थी।

आकर उसने मुझे जगाने के लिए जैसे ही छुआ, मेरे पूरे शरीर में एक करंट सा दौड़ गया।
मेरे उठने पर कहने लगी कि मेरी माँ बुला रही है।

जब कहकर वो जाने लगी तो मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और रुकने को कहा।

वो मेरे पास आकर बैठ गई।

मैं उसकी आँखों में आँखें डालकर देखने लगा और उसने शर्माकर आँखें नीचे कर ली।

उसकी इसी अदा पर मैं कायल हो गया और उसको हग करने को पूछा। उसने हाँ कर दी
और कहते ही मैंने उसको बाँहों में भर लिया।

बाँहों में आते ही ऐसा महसूस हुआ जैसे कि ट्रांसफार्मर को पकड़ लिया हो।

उसके शरीर का स्पर्श पाते ही लण्ड अपनी औकात पर आ गया तो पैंट को अपना तंबू बना
लिया।

जैसे ही मैंने उसको लिप किस करना चाहा, वो मेरे गाल पर चुम्बन करके भाग गई और
जाते हुए इशारे में कहा कि 'सब्र करो, जल्दी ही मिलूँगी मैं...'

और फ्लाइंग किस देते हुए कमरे से बाहर निकल गई।

उसके जाने के बाद मैं उसके ख्यालों में डूब गया और उसको चोदने के सपने देखने लगा,
उसके गुलाबी होंठ, जैसे गुलाब की पंखुड़ियाँ हों! उसकी मोरनी जैसे पतली सी गर्दन,
उसके मौसमी जैसे चूचों के बारे में सोचते ही मुँह से पानी आने लगा और कुंवारी चूत का
दिमाग में आते ही लण्ड महाराज सलामी देने लगा।

बहुत कोशिश कि यह बैठ जाए पर ये साला भी उसके नाम की मुठ मारकर ही माना।

उसके बाद मैं सो गया।

कुछ देर बाद मुझे ऐसा लगा जैसे कोई मेरे बालों में हाथ फेर रहा है। आँख खोलकर देखा

तो मेरी जानू पायल सामने बैठी थी, उसने लिप किस किया तो पूरे शरीर में एक अजीब सी सरसराहट दौड़ गई।

मैंने उसको पकड़कर अपने ऊपर गिरा लिया और उसके होठों पर बेसब्री से चूसने लगा, काटने लगा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

उसको दर्द हो रहा था और मुझसे छुड़ाने की कोशिश करने लगी पर मेरी पकड़ से निकल नहीं सकी। कुछ देर बाद मैंने उसको किस करना बंद किया तो देखा कि मेरे काटने से उसके होठों से खून आ रहा था हल्का सा।

मैंने फिर किस करके उसको साफ़ कर दिया और गुलाबी होंठ लाल करके छोड़ दिए।

अचानक दरवाजे पर हुई नॉक ने हम दोनों को अलग किया।

‘माँ नीचे बुला रही है।’ यह कहकर वो मुस्काती हुई नीचे भाग गई और मैं भी कपड़े बदल कर नीचे आ गया।

ऐसे ही 2 दिन शादी में बिजी रहकर निकल गए पर मुझे और पायल को एक होने का मौका नहीं मिला।

दो दिन बाद भाई की शादी आ गई और हम सब बारात लेकर निकले, पायल भी हमारे साथ बारात में चली।

जब वो तैयार होकर आई तो सब उसको देखते ही रह गए। महरून रंग के लहंगे में वो गजब की लग रही थी।

जैसे ही मेरे दोस्तों की नजर उस पर गई, साले सारे लार टपकाने लगे और बोले- यार बस एक बार इसकी दिलवा दे।

मुझे सुनकर बहुत बुरा लगा और मैं वहाँ से आ गया।

पायल के पास आकर मैंने उसको कहा- तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो। मेरे दोस्तों से बचकर रहना, उन सबकी बुरी नजर है तुम पर!

सुनकर वो हँसने लगी और बोली- तुम चिंता न करो, मैं अपना ध्यान रख लूंगी।

बारात में आगे जाने पर पायल ने भी सबके साथ खूब डांस किया। जिसको देखो, वो पायल की तारीफ़ किये जा रहा था।

शादी पूरी करके हम भाभी को लेकर अपने घर आ गए।

घर पर जब माँ और बहनें भाई-भाभी को साथ अंदर लेकर जा रहे थे तो मैं पायल का हाथ पकड़ कर उसके साथ अंदर जा रहा था, मेरी बहन ने ये सब देख लिया था।

मेन गेट पर जब रीति रिवाज निपटाकर भाभी के साथ सब अंदर जा रहे थे तो मैंने पायल को लोटे को पैर लगाकर अंदर आने को कहा और थाली में पैर रखकर अपने सीधा पैर से निशान बनाकर आने को कहा।

उसने वैसे ही सब किया, जैसे भाभी से करवाया था माँ ने।

उसके बाद भाई भाभी की सब रस्में पूरी करवाई गई जिसको पायल बड़ी गौर से देख रही थी।

रात को खाना खाकर सब सोने लगे तो माँ ने मुझे बुलाया और मेरे पायल के बीच रिश्ते के बारे में पूछने लगी।

मैंने कहा- वो सिर्फ मेरी अच्छी दोस्त है।

माँ बोली- जब तेरा भाई और भाभी अंदर आ रहे थे, तो उनके साथ तुम दोनों की जोड़ी बहुत सुंदर लग रही थी। तू कहे तो पायल से तेरी शादी करवा देती हूँ।

जब यह बात मैंने पायल से कही तो वो शर्मा गई।

अगले दिन भाभी को उसके घर वालों से मिलवाकर हम वापिस आये।

पायल मेरी बहनों के साथ मिलकर भाई भाभी की सुहागरात की सेज सजाने में बिजी हो गई, साथ में उसने मेरे कमरे को भी सजा दिया था पर बिना किसी को कुछ पता चले।

रात को भाई भाभी को अंदर कमरे में भेजने के बाद पायल ने माँ से कहा कि वो मेरे कमरे में सोयगी आज और मुझे कहीं और सोने की कह दी।

और साथ ही मुझे मैसेज कर दिया कि रात को 12 बजे कमरे में आ जाना।

कहानी जारी रहेगी।

malik.deepak25@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-1

नमस्कार दोस्तो, मैं नरसिंह प्रधान, अपनी एक कहानी लेकर प्रस्तुत हूँ. लेकिन मेरे इस कहानी के पात्र मेरे स्कूल के सह शिक्षक श्रीमान शंकर कुमार झा हैं. ये कहानी मैं उनकी जुबानी लिखूँगा ताकि आप लोगों को इसका ज्यादा मजा [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-1

हैलो मेरे सभी चोदू, चुदक्कड़ साथियो, मैं वन्द्या आप मेरे बारे में मेरी पिछली कहानी में जान चुके थे. मगर मैं जानती हूँ कि अन्तर्वासना जैसी फेमस साईट पर इतनी अधिक रोचक और मनोरंजक सेक्स कहानियां प्रकाशित होती हैं [...]

[Full Story >>>](#)

नखरीली चाची की मस्त चुदाई

दोस्तो, यह मेरी पहली चुदाई की पहली स्टोरी है जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ. मेरी एक चाची हैं उनका नाम सरोज है ये नाम बदला हुआ है. सरोज चाची कुछ ज्यादा ही नखरीली हैं. उनकी उम्र 35 साल [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की जवान लड़की की चुदाई

अन्तर्वासना के पाठकों को साहिल का प्रणाम ! प्रिय पाठको, अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है देसी लड़की की बुर चुदाई की. आपको मैं पहले अपने बारे में बता देता हूँ मेरी उम्र 24 हाईट 5 फुट 6 इंच है. [...]

[Full Story >>>](#)

माँम-डैड का सेक्स और बहन की चुदाई-1

दोस्तो, मेरा नाम तो कुछ और है लेकिन आप मुझे सोनी बुला सकते हो, ये मेरा असली नाम तो नहीं, निक नेम कह सकते हो. मैं 27 साल का हूँ और सेंट्रल दिल्ली से हूँ, अन्तर्वासना की कहानियां मैं कई [...]

[Full Story >>>](#)

